6. हमसे सब कहते

नहीं सूर्य से कहता कोई
धूप यहाँ पर मत फैलाओ,
कोई नहीं चाँद से कहता
उठा चाँदनी को ले जाओ।

कोई नहीं हवा से कहता
खबरदार जो अंदर आई,
बादल से कहता कब कोई
क्यों जलधार यहाँ बरसाई?

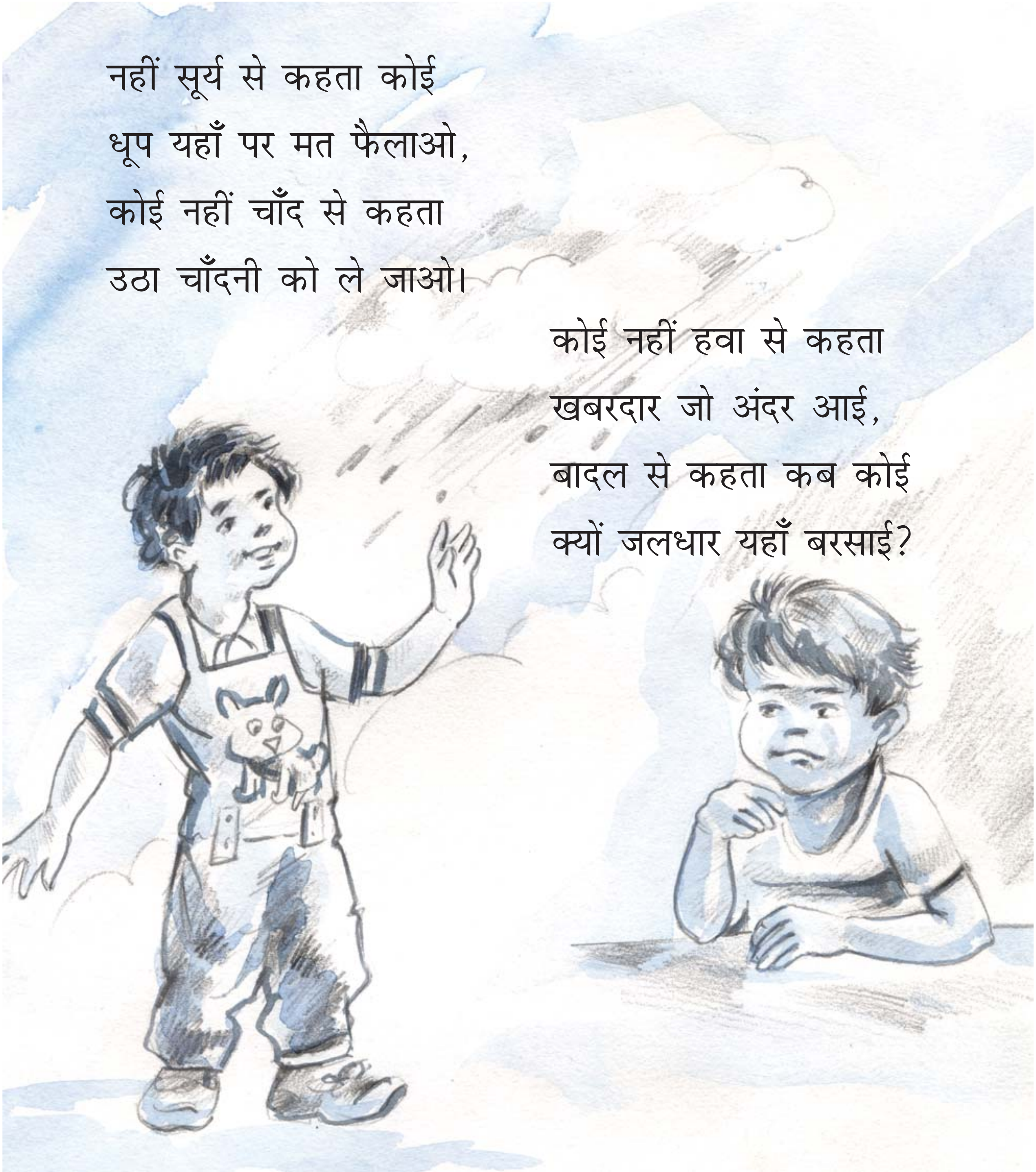

फिर क्यों हमसे भैया कहते
यहाँ न आओ, भागो जाओ,
अम्मा कहती हैं, घर-भर में
खेल-खिलौने मत फैलाओ।

पापा कहते बाहर खेलो,
खबरदार जो अंदर आए,
हम पर ही सबका बस चलता
जो चाहे वह डाँट बताए।

निरंकार देव सेवक

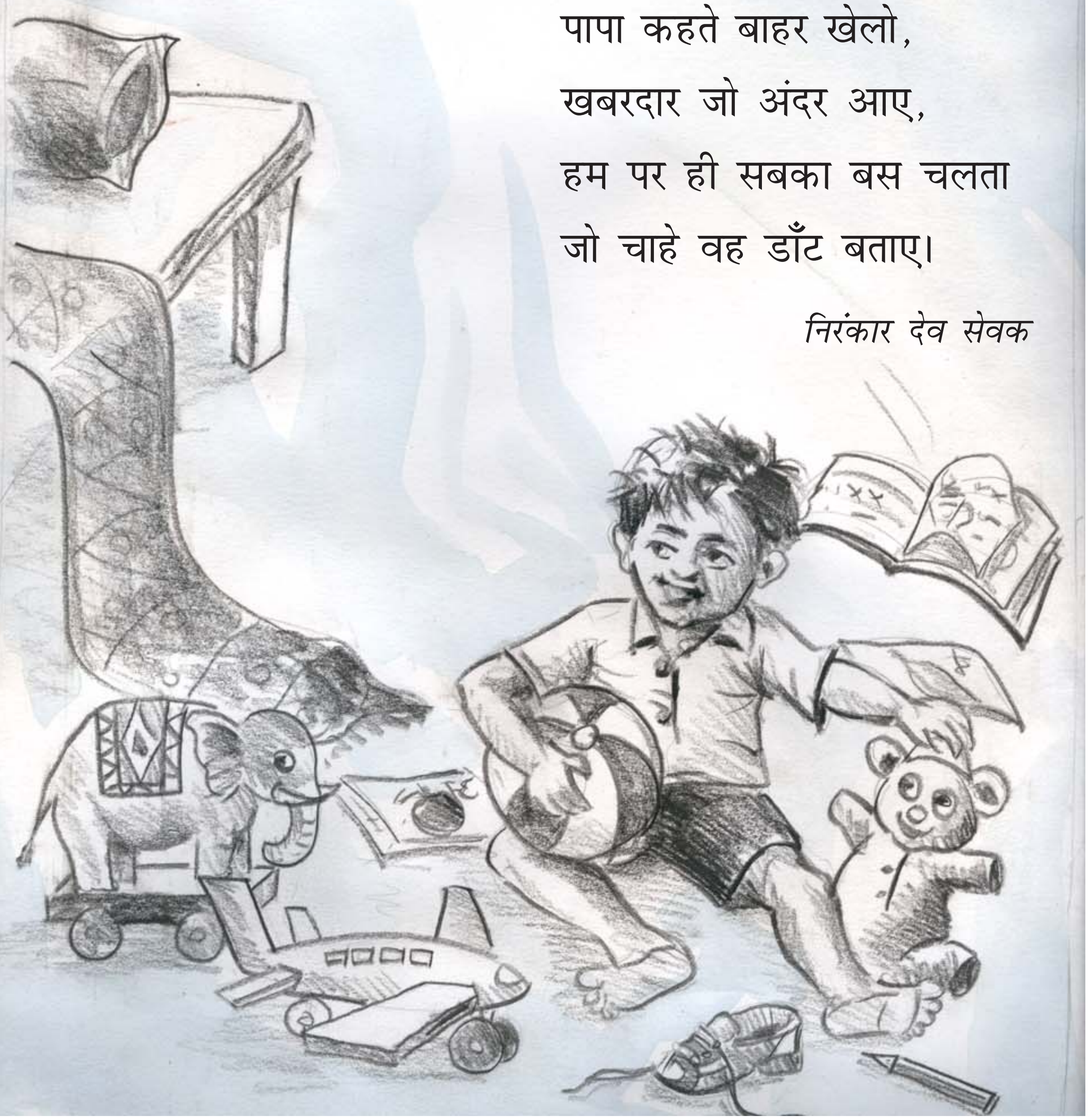

नया शीर्षक

अगर तुम्हें इस कविता का नाम बदलने को कहें, तो तुम इसे क्या नाम दोगे?

करो — मत करो

पाठशाला में और घर में तुम्हें क्या-क्या करने के लिए कहा जाता है और क्या-क्या करने के लिए मना किया जाता है। नीचे वाली तालिका में लिखो।

करो	मत करो
....	....
....	....
....	....

ज़रा सोचो

- सूरज चाँद की रोशनी को भगा देता है।
- बादल सूरज की रोशनी को भगा देता है।
- हवा बादल को भगा देती है। बताओ, कौन किससे ज़्यादा ताकतवर है?

तुम्हारी बात

अम्मा, पापा, भैया, दीदी सभी बड़ों का बच्चों पर बस चलता है।

- तुम्हारा किस-किस पर बस चलता है?

  ....

- तुम्हारे घर में तुम्हें कौन-कौन टोकता रहता है?

  ....

- किन-किन बातों पर तुम्हें अक्सर टोका जाता है?

  ....

कौन सी चीज़ कहाँ

शालू को बहुत-सी चीज़ों के नाम आते हैं। उसने नामों को लिख-लिखकर पट्टी भर ली। वे नाम मैंने नीचे लिख दिए हैं।

शालू की सूची

शक्कर, कबड्डी, पपीता, मार-कुटाई, लोमड़ी, गुलाब, जामुन, शेर, ककड़ी, शतरंज, बल्ला, मगर, लड्डू, गाय, बेर, पेड़ा, बकरी, गिल्ली, कबूतर, पतंग, मसाला, लट्टू, तोता, शहतूत, चटनी

अब शालू यह सोच रही है कि किस नाम को किस खाने में लिखना है। क्या तुम उसकी मदद कर सकती हो?

अक्षर	जानवर या पक्षी	खाने-पीने का सामान	खेल का नाम या सामान
ब	बकरी	बेर	बल्ला
म	मगर	....	....
क	....	....	कंकड़
ल	....	....	लट्टू
प	....	....	....
ग	....	....	गिल्ली
श	....	....	....

ऐसे ही खेल तुम और अक्षरों के साथ खेल सकते हो। अलग तरह के खाने भी बना सकते हो – जैसे 'ट' से शुरू होने वाली गोल या लाल चीज़।

अब हरेक खाने के नाम वर्णमाला के हिसाब से क्रम से लगाओ –

जानवर या पक्षी	
खाने पीने का सामान	
खेल का नाम या सामान	

'हमसे सब कहते' कविता में जिन लोगों, चीज़ों और जगहों के नाम आए हैं, उन्हें नीचे दी गई तालिका में लिखो।

लोग	चीज़	जगह
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....

यह कहानी तुमने कई बार सुनी होगी।

- कौआ और लोमड़ी

एक बार एक कौए को एक रोटी मिली।

लोमड़ी ने सोचा क्यों न मैं इस कौए को मूर्ख बनाकर रोटी ले लूँ।

लोमड़ी बोली – कौए भाई तुम इतना अच्छा गाते हो! मुझे भी एक गाना सुनाओ।

कौए ने जैसे ही गाने के लिए मुँह खोला, रोटी नीचे गिर गई।

लोमड़ी रोटी लेकर चली गई।

आओ, अब इन्ही चित्रों से एक नई कहानी बनाएँ।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....